भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.225

जिसका उत्तर 20.07.2023 को दिया जाना है

एनएचएआई परियोजनाओं का डेटाबेस

225. श्रीमती मंजुलता मंडल:
डॉ. डी.एन.वी.सेंथिलकुमार एस.:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्री जी.सेल्वम:
श्री सी.एन.अन्नादुरई:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
श्री धनुष एम.कुमार:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या एनएचएआई ने हाल ही में 'नॉलेज शेयरिंग' प्लेटफार्म शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस कदम के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) एनएचएआई को सम्पूर्ण देश में विभिन्न सड़क परियोजनाओं का कार्यान्वन करते समय किन-किन बाधाओं का सामना करना पड़ता है;

(ग) आगामी तीन वर्षों के दौरान एनएचएआई द्वारा ओडिशा, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में निष्पादन हेतु प्रस्तावित विभिन्न परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त राज्यों में निर्मित नए राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई कितनी है;

(ड.) क्या इनमें से कोई परियोजना दूसरे राज्य से जुड़ती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या राज्यों में ऐसी परियोजनाओं के विकास के लिए कोई वित्तीय संकट है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) सरकार द्वार एनएचएआई द्वारा शुरू की गई सड़क परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) जी हाँ । ज्ञान और अभिनव सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए, एनएचएआई ने एक 'नॉलेज शेयरिंग' मंच शुरू किया है। एनएचएआई वेबसाइट पर होस्ट की गई यह पहल प्राधिकरण को उन विशेषज्ञों और नागरिकों के साथ सहयोग करने में मदद करने के लिए शुरू की गई है जो सड़क डिजाईन निर्माण, सड़क सुरक्षा और पर्यावरण स्थिरता

जैसे विषयों से संबंधित ज्ञान और अंतर्दृष्टि साझा करना चाहते हैं। यह मंच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने को प्रोत्साहित करता है जो बदले में देश में राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे के समग्र विकास में योगदान देता है। नवाचार और आधुनिक तकनीक की मदद से एनएचएआई तेजी से राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना का विकास कर रहा है। फ्लाई-ऐश और प्लास्टिक कचरे जैसी पुनर्नवीनीकरण सामग्री के अभिनव उपयोग के अलावा, एनएचएआई टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में पुनर्नवीनीकरण डामर (आरएपी) और पुनर्नवीनीकरण समुच्चय (आरए) के उपयोग को भी प्रोत्साहित करता है। अत्याधुनिक सुरंगों, आधुनिक पुलों, वन्यजीव गलियारों और एक्सप्रेसवे के विकास के साथ, राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना के विकास में व्यापक भागीदारी होना महत्वपूर्ण है। ज्ञान साझा करने का मंच विशेषज्ञों और नागरिकों को सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है।

(ख) राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को लागू करते समय एनएचएआई द्वारा सामना की जाने वाली बाधाएं भूमि अधिग्रहण में समस्याएं, वन मंजूरी में देरी, आरओबी मंजूरी में देरी, उपयोगिताओं को स्थानांतरित करने में देरी, विभिन्न संरचनाओं को जोड़ना / हटाना / स्थानांतरित करना और रियायतग्राही की वित्तीय कमी आदि हैं।

(ग) और (घ) विवरण अनुबंध-I के अनुसार संलग्न हैं। परियोजनाएं चालू डीपीआर के परिणाम और अन्य अपेक्षित मंजूरी प्राप्त करने के अधीन शुरू की जाती हैं। पिछले तीन वर्षों के दौरान उक्त राज्यों में एनएच निर्माण की लंबाई इस प्रकार है:

राज्य	निर्मित लंबाई (किमी) 2020-21	निर्मित लंबाई (किमी) 2021-22	निर्मित लंबाई (किमी) 2022-23
महाराष्ट्र	465.7	584.04	676.7
ओडिशा	380.31	230.1	231.76
तमिलनाडु	304.39	285.27	440.141

(ड.) विवरण अनुबंध II के रूप में संलग्न हैं।

(च) एनएचएआई को सौंपे गए राष्ट्रीय राजमार्ग के विकास के लिए कोई वित्तीय संकट नहीं है।

(छ) सड़क परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों में विभिन्न स्तरों पर परियोजनाओं की कड़ी निगरानी शामिल है जैसे कि पीएमजी, एनएचएआई और एमओआरटीएच में फील्ड स्तर से उच्चतम स्तर तक राज्य स्तरीय बैठकें, विभिन्न हितधारकों के साथ निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई और समन्वय, विशेष रूप से भूमि अधिग्रहण में तेजी लाना, उपयोगिताओं को स्थानांतरित करना, मंजूरी प्राप्त करना आदि ।

अनुबंध- I

"एनएचएआई परियोजनाओं का डेटाबेस" के संबंध में श्रीमती मंजुलता मंडल,डॉ. डी.एन.वी.सेंथिलकुमार एस, डॉ. सुभाष रामराव भामरे, डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे, श्री जी.सेल्वम, श्री सी.एन.अन्नादुरई, श्री कुलदीप राय शर्मा, श्री धनुष एम.कुमार, श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले द्वारा पूछे गए दिनांक 20.07.2023 के लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 225 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

क्र.सं	राज्य	वर्ष	परियोजना	एनएच नंबर (नया)	लंबाई (किमी.)
आरओ-चेन्नई					
1.	तमिलनाडु	2023 - 24	वालाजापेट/रानीपेट से तमिलनाडु/आंध्र प्रदेश सीमा खंड एनएच-4 को छह लेन का बनाना	एनएच 40	28.021
2.	तमिलनाडु और पुडुचेरी (यूटी)	2023 - 24	महाबलीपुरम -पांडिचेरी खंड-एनएच-332ए (पैकेज-3) को चार लेन का बनाना	एनएच-332ए	46.047
3.	तमिलनाडु	2024 - 25	एनएच-45 के चेंगलपट्टू से तिंडीवनम खंड को 6/8 लेन का बनाना	एनएच-32	67.100
4.	तमिलनाडु	2024 - 25	एनएच-45 के तांबरम से चेंगलपट्टू खंड तक 6 लेन एलिवेटेड गलियारा का निर्माण	एनएच-32	27.000
5.	तमिलनाडु	2024 - 25	बैंगलोर चेन्नई एक्सप्रेसवे चरण-IV के तहत श्रीपेरंबुदूर से मदुरावॉयल खंड एनएच-4 तक 6 एल एलिवेटेड कॉरिडोर	एनएच-48	22.000
6.	तमिलनाडु	2025 - 26	चेन्नई-सलेम एक्सप्रेसवे	एनएच-179बी	277.300
आरओ-मदुरै					
1.	तमिलनाडु	2023 - 24	(एनएच-744) के राजापलायम - शेनकोट्टई खंड को 4 लेन का बनाना	एनएच-744	68.280
2.	तमिलनाडु	2023 - 24	परमकुडी - रामनाथपुरम खंड एनएच-49 को 4-लेन का बनाना	एनएच-87	46.680
3.	तमिलनाडु	2025 - 26	एनएच-32 के नागपट्टिनम - रामअनंतपुरम खंड को 4-लेन का बनाना	एनएच-32	177.740
4.	तमिलनाडु	2023 - 24	एनएच-32 के खंड के माध्यम से रामानंथपुरम - तूतीकोरिन को 4-लेन का बनाना	एनएच-32	134.615

क्र.सं	राज्य	वर्ष	परियोजना	एनएच नंबर (नया)	लंबाई (किमी.)

क्र.सं	राज्य	वर्ष	परियोजना	एनएच नंबर (नया)	लंबाई (किमी.)
1	ओडिशा	2023-24	बनारपाल से गोदीबांधा	149/53	17.7
2	ओडिशा	2023-24	संबलपुर रिंग रोड	-	34.80
3	ओडिशा	2023-24	राजधानी क्षेत्र रिंग रोड	-	111.2
4	ओडिशा	2023-24	रामेश्वर से रतनपुर (तटीय राजमार्ग)	316ए	177

क्र.सं	राज्य	वर्ष	परियोजना	राष्ट्रीय राजमार्ग	लंबाई (किमी.)
1	महाराष्ट्र	2023-24	सूरत नासिक अहमदनगर सोलापुर एमएच-केएनटी बॉर्डर ग्रीनफील्ड स्ट्रेच पैकेज-IV को किमी 107.000 (अम्बेगांव) से किमी 146.000(चेहेडी खुर्द) तक छह लेन का बनाना)	ग्रीनफील्ड	39
2	महाराष्ट्र	**2023-24**	सूरत नासिक अहमदनगर सोलापुर एमएच-केएनटी बॉर्डर ग्रीनफील्ड स्ट्रेच पैकेज-V को किमी.146.000 (चेहेडी खुर्दह) से कि.मी.190.560 तक छह लेन का बनाना) (खंडालवाड़ी)	ग्रीनफील्ड	44.56
3	महाराष्ट्र	2023-24	सूरत - नासिक - अहमदनगर - सोलापुर - एमएच/केएनटी सीमा ग्रीनफील्ड खंड [पैकेज -VI किमी 190.560 से किमी 245.100 तक]	ग्रीनफील्ड	54.54
4	महाराष्ट्र	2023-24	सूरत - नासिक - अहमदनगर - सोलापुर - एमएच/केएनटी बॉर्डर ग्रीनफील्ड खंड [पैकेज-VII किमी 245.100 से किमी 290.000 तक]	ग्रीनफील्ड	44.90
5	महाराष्ट्र	2023-24	सूरत - नासिक - अहमदनगर - सोलापुर - एमएच/केएनटी सीमा ग्रीनफील्ड खंड [पैकेज -VIII किमी 290.000 से किमी 330.500 तक]	ग्रीनफील्ड	40.50
6	महाराष्ट्र	2023-24	सूरत - नासिक - अहमदनगर - सोलापुर - एमएच/केएनटी सीमा ग्रीनफील्ड खंड [पैकेज -IX किमी 330.500 से किमी 370.000 तक]	ग्रीनफील्ड	39.50
7	महाराष्ट्र	2023-24	सूरत - नासिक - अहमदनगर - सोलापुर - एमएच/केएनटी सीमा ग्रीनफील्ड खंड [पैकेज-X किमी 370.000 से किमी 415.500 तक]	ग्रीनफील्ड	45.5
8	महाराष्ट्र	2023-24	सूरत - नासिक - अहमदनगर - सोलापुर - एमएच/केएनटी बॉर्डर ग्रीनफील्ड खंड [पैकेज-XI किमी 415.500 से किमी 450.000 तक]	ग्रीनफील्ड	34.5

9	महाराष्ट्र	2023-24	सूरत - नासिक - अहमदनगर - सोलापुर - एमएच/केएनटी सीमा ग्रीनफील्ड खंड [पैकेज-XII किमी 450,000 से किमी 486,000 तक]	ग्रीनफील्ड	36
10	महाराष्ट्र	2023-24	सूरत - नासिक - अहमदनगर - सोलापुर - एमएच/केएनटी बॉर्डर ग्रीनफील्ड खंड [पैकेज-XIII किमी 486.000 से किमी 512.000 तक]	ग्रीनफील्ड	26
11	महाराष्ट्र	2023-24	ईपीसी मोड पर महाराष्ट्र राज्य में एनएच-65 के सोलापुर शहर की सीमा में पुराना बोरामनी नाका से कुमता नाका तक 4 लेन फ्लाईओवर का निर्माण और सोलापुर शहर की सीमा में सड़क विकास के साथ एनएच-13 पर पुराना पुणे नाका एनएच-9 से सात रास्ता चौक तक फ्लाईओवर का निर्माण	52&65	12
12	महाराष्ट्र	2024-25	753-बीई के तलोदा - बुरहानपुर खंड को 4 लेन का बनाना	753-बी.ई	225

अनुबंध- II

"एनएचएआई परियोजनाओं का डेटाबेस" के संबंध में श्रीमती मंजुलता मंडल,डॉ. डी.एन.वी.सेंथिलकुमार एस, डॉ. सुभाष रामराव भामरे, डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे, श्री जी.सेल्वम, श्री सी.एन.अन्नादुरई, श्री कुलदीप राय शर्मा, श्री धनुष एम.कुमार, श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले द्वारा पूछे गए दिनांक 20.07.2023 के लोकसभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 225 के भाग (ड.) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

क्र.सं.	राज्य	एनएच सं.	परियोजना का नाम/एनएच खंड	दूसरे राज्य का नाम जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग जुड़ा है
1	तमिलनाडु	एनई-7	4 लेन बैंगलोर - चेन्नई एक्सप्रेसवे (गुडीपाला से वालजाहपेट) - चरण-III, पैकेज-1	आंध्र प्रदेश
2	तमिलनाडु	16 (पुराना इ-5)	चेन्नई-टाडा खंड को 6 लेन का बनाना	आंध्र प्रदेश
3	तमिलनाडु	716 (पुराना एनएच-208)	तिरुत्तानी -चेन्नई खंड को 4-लेन का बनाना , जिसमें तिरुवल्लूर बाईपास का निर्माण भी शामिल है	आंध्र प्रदेश
4	तमिलनाडु	32 (पुराना एनएच-45ए)	पुडुचेरी- पूंडियनकुप्पम खंड को 4-लेन का बनाना	पुदुचेरी
5	तमिलनाडु	32 (पुराना एनएच-45ए)	सत्तानाथपुरम - नागपट्टिनम खंड को 4-लेन का बनाना	पुदुचेरी
6	तमिलनाडु	332 (पुराना एनएच-45ए)	विल्लुपुरम -पुडुचेरी खंड को 4-लेन का बनाना	पुदुचेरी
7	तमिलनाडु	844	नेरलुरु-थोरापल्ली को 4 लेन का बनाना अग्रहारम खंड	कर्नाटक
8	तमिलनाडु	66 (पुराना एनएच-47)	केरल/तमिलनाडु सीमा - विल्लुकुरी खंड को 4-लेन का बनाना	केरल
9	तमिलनाडु	183 (पुराना एनएच-220)	तेनी कुमिली खंड के पेव्ह शोल्डर के साथ 2-लेन	केरल

10	महाराष्ट्र	52	एनएच 52 के सोलापुर से विजयपुर खंड को 4 लेन का बनाना	कर्नाटक
11	ओडिशा		रायपुर विशाखापत्तनम ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे	आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य, एनएच-49 पश्चिम बंगाल और झारखंड को जोड़ता है और एनएच-143 झारखंड राज्य को ओडिशा से जोड़ता है

*****